

| | | |
|-----------------------------------|--------------------------------|---------------------------------------|
| उन्धम्, | उन्धम्, | उन्दिदिष्यम्; |
| ईषदुन्दः, दुरुन्दः, सून्दः; | — | — |
| ¹ उद्यमानः, | उन्धमानः, | उन्दिदिष्यमाणः; |
| ² अवोदः, } ओद्वा, } | उन्दः, उन्दः, | उन्दिदिषः; |
| उन्दिदितुम्, | उन्दयितुम्, | उन्दिदिषितुम्; |
| उन्दा, | उन्दना, | उन्दिदिषा, उन्दिदयिषा; |
| उन्दनम्, | उन्दनम्, | उन्दिदिषणम्; |
| उन्दित्वा, | उन्दयित्वा, | उन्दिदिषित्वा; |
| समुद्य, | समुन्ध, | समुन्दिदिष्य; |
| उन्दम् २, } उन्दित्वा २, } | उन्दम् २, } उन्दयित्वा २, } | उन्दिदिषम् २, } उन्दिदिषित्वा २; } |
| ³ इन्दुः, | ⁴ उदकम्-कः, | ⁵ ओदनम्. |

(103) “ उन्भ पूरणे ” (VI-तुदादिः-1320-सक. सेट्. पर.)

| | | |
|------------------------------|----------------------|------------------------|
| उम्भकः-म्भिका, | उम्भकः-म्भिका, | उम्भभिषकः-षिका; |
| उम्भिता-त्री, | उम्भयिता-त्री, | उम्भभिषिता-त्री; |
| ⁶ उम्भन्-न्ती-ती, | उम्भयन्-न्ती, | उम्भभिषन्-न्ती; |
| उम्भिष्यन्-न्ती-ती, | उम्भयिष्यन्-न्ती-ती, | उम्भभिषिष्यन्-न्ती-ती; |
| — | उम्भयमानः, | उम्भयिष्यमाणः; |
| उप्-उब्-उम्भौ-उम्भः; | — | — |
| उम्भितः-तम्-तवान्, | उम्भितः, तम्, | उम्भभिषितः-तवान्; |
| उम्भः, उम्भः, | उम्भभिषुः, | उम्भभिषिषुः; |

1. ‘ अनिदितां हल्—’ (6-4-24) इति नलोपः ।
2. ‘ अवोदैधौघप्रश्रयहिमश्रयाः’ (6-4-29) इत्यनेन अस्माद्धातोर्घञि नलोपः, मन्प्रत्यये नलोपः गुणश्च निपात्यते । अवोदः=ईषदार्द्रः । ओद्वा=उन्दनम् ।
3. ‘ उन्देरिच्चादेः ’ (द. उ. 1-197) इत्युः प्रत्ययः ।
4. ‘ क्वुन् शिल्पिसंज्ञयोः ’ (द. उ. 3-5) इत्यौणादिकः क्वुन् ।
5. ‘ उन्देर्नलोपश्च ’ (द. उ. 5-22) इत्यौणादिको युच् ।
6. ‘ अनिदिताम्’ (6-4-24) इति नलोपे ‘ शे तृष्कादीनां ’ (वा. 7-1-59) इति वुम् ।